



HB/110/1988

भारत का अजाप्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 548]

नई दिल्ली, भूमध्यतिवार, अक्टूबर 27, 1988/कार्तिक 5, 1910

No. 548]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 27, 1988/KARTIKA 5, 1910

इस भाग में खिल्ल पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह असाधारण के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1988

अधिसूचना

का. आ. 987(ग्र).—संविधान के अनुच्छेद 371च
के खंड (द) द्वारा प्रदत्त एकियों का प्रयोग करते हुए,
राष्ट्रपति एतदद्वारा इसमें उपायव अनुसूची में विनिर्दिष्ट
अधिनियमिति का, उपांकरणों सहित, यदि कोई उस अनुसूची
में विनिर्दिष्ट हो, और प्राप्ति निम्ननिविद उपांकरणों के अधीन
रहते हुए, मिक्किम राज्य पर विस्तार करते हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त अधिनियमिति में किसी ऐसी विधि,
जो मिक्किम राज्य में प्रवृत्त नहीं है या किसी
ऐसे कृत्यकारी जो इस राज्य में विद्यमान नहीं
है, के प्रति निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा
कि वह उस राज्य में प्रवृत्त तत्स्थानी विधि
या विद्यमान तत्स्थानी कृत्यकारी के प्रति निर्देश
है :

परन्तु यह कि यदि यह प्रश्न उठता है कि
ऐसी तत्स्थानी कृत्यकारी कौन है, या यदि कोई
ऐसा तत्स्थानी कृत्यकारी नहीं है, तो केन्द्रीय
सरकार यह विनिश्चय करेगी कि ऐसा कृत्यकारी
कौन होगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय
अनिवार्य होगा।

(2) प्रत्येक ऐसी अधिनियमिति के प्रारंभ के लिए
उसका मुख्यत उपबंध, यदि कोई है, में किसी बात
के हांते हुए भी, ऐसी अधिनियमिति के उपबंध
मिक्किम राज्य में ऐसी तारीख को प्रवृत्त होये
जो केन्द्रीय सरकार मरकारी राजात्रि में अधि-
सूचना दाग नियत करे :

परन्तु यह कि किसी अधिनियमिति के विभिन्न उपबंधों
के लिए और मिक्किम राज्य में विभिन्न शेत्रों के लिए
मिस्र-मिस्र तारीख नियत की जा सकेंगी और अधिनियमन के
बारे में किसी ऐसे उपबंध में किसी निर्देश का यह अर्थ
लगाया जाएगा कि वह उस उपबंध के उस शेत्र में, जहाँ
उसे प्रवृत्त किया गया है, प्रवृत्त करने के प्राप्ति निर्देश है।

अनुसूची

वर्ष	संख्या	संक्षिप्त नाम	उपांत्तरण
1944	18	लोक क्रृष्ण अधिनियम, 1944	— (अर्द्ध वेंकटरामन) गोप्यपति

[पं. 11013/12/87 एन.ई. -III]
आर के टंडन, उप सचिव (एन.ई.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 22nd October, 1988

NOTIFICATION

S.O.987(E).—In exercise of the powers conferred by clause (n) of article 371F of the Constitution, the President hereby extends to the State of Sikkim the enactment specified in the Schedule annexed hereto subject to the modifications, if any, specified in that Schedule and the following further modifications, namely : —

(1) Any reference in the said enactment to a law not in force, or to a functionary not in existence, in the State of Sikkim shall be construed as a reference to the corresponding law in force, or to the corresponding functionary in existence, in that State:

Provided that if any question arises as to who such corresponding functionary is or if there is no such corresponding functionary, the Central Government shall decide as to who such functionary will be and the decision of the Central Government shall be final.

(2) Notwithstanding anything contained in the relevant provision, if any, of such enactment for the commencement thereof, the provisions of such enactment shall come into force in the State of Sikkim on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint :

Provided that different dates may be appointed for different provisions of the enactment and for different areas in the State of Sikkim and any reference in any such provision to the commencement of the Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision in the area where it has been brought into force.

SCHEDELE

Year	No.	Short Title	Modifi- cation
1944	18	Public Debts Act, 1944	—

(R. VENKATARAMAN)
PRESIDENT

[No. 11013/12/87-NE.III]
R.K. TANDAN, Dy. Secy. (NE)